Gyansindhu Coaching Classes

(पद्य)

(प्रकार)

1. महाकाव्य
   - दो महाकाव्यों के नाम
   - (i) रामचरितमानस – तुलसीदास
   - (ii) पद्मावत — जायसी

2. खण्डकाव्य
   - दो खण्ड काव्यों के नाम
   - (i) तुमुल
   - (ii) हल्दीघाटी
   - } श्याम नारायण पाण्डेय

युगों की प्रवृत्तियाँ / विशेषताएँ :—

Gyansindhu Coaching Classes

भक्तिकाल

निर्गुण काव्यधारा

(i) ईश्वर के निराकार रूप की उपासना।
(ii) माया की निन्दा / गुरु की महत्ता

② कवि

(i) कबीर दास
(ii) रैदास

सगुण काव्यधारा

(i) ईश्वर के सगुण रूप की उपासना।
(ii) स्वान्तः सुखाय की भावना

② कवि

(i) तुलसीदास
(ii) सूरदास

(रीतिकाल)

(2) प्रमुख प्रवृत्तियाँ

समय → 1643 ई० – 1868 ई०

(i) श्रृंगार रस की प्रधानता।

(ii) रीति ग्रन्थों का निर्माण।

दो कवि (प्रमुख)

(i) बिहारी लाल — बिहारी सतसई

(ii) केशवदास — रामचन्द्रिका

Gyansindhu Coaching Classes

रीतिकाल — 3 शाखाएँ

रीतिसिद्ध
① बिहारी

रीतिबद्ध
केशवदास
देव
पद्माकर
भिखारीदास
मतिराम
चिंतामणि

रीतिमुक्त
घनानंद
बोधा
आलम
ठाकुर
द्विजदेव

आधुनिक काल

↳ समय — 1868 —— अबतक

(i) भारतेन्दु युग — 1868 ई० —— 1900 ई०

(ii) द्विवेदी युग — 1900 ई० —— 1918/22

(iii) छायावादी युग — 1918/20 —— 1936/38

(iv) प्रगतिवादी युग — 1938 —— 1943

(v) प्रयोगवादी युग — 1943 —— 1951

(vi) नई कविता —— 1951 ——

भारतेन्दु युग — भारतेन्दु हरिश्चंद्र

↳ अन्धेर नगरी

द्विवेदी युग — 1900 – 1922

↳ सरस्वती पत्रिका

↳ प्रथम सम्पादक

↳ श्यामसुन्दर दास

↳ दूसरे सम्पादक — महावीर प्रसाद द्विवेदी

दो प्रमुख कवि

Gyansindhu Coaching Classes

① अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
↳ प्रियप्रवास

② मैथिलीशरण गुप्त — साकेत

द्विवेदी युग की दो प्रमुख विशेषताएँ —

(i) भारतीयता के अतीत के गौरव के प्रति मोह।

(ii) नैतिक आदर्श की स्थापना।

(iii) इतिवृत्तात्मकता।

Gyansindhu Coaching Classes

(छायावाद युग)

↳ 1918 — 1936
1920 — 1938

दोनों सही

④ प्रमुख कवि —

Trick ⇒ प्र. नि. प. म.

प्रसाद (जयशंकर प्रसाद) — कामायनी
निराला (सूर्यकान्त त्रिपाठी) — सरोज स्मृति
पन्त (सुमित्रानंदन) — चिदम्बरा
महादेवी वर्मा —— यामा, दीपशिखा

Gyansindhu Coaching Classes

छायावाद की दो प्रमुख विशेषताएँ/प्रवृत्तियाँ :-

(1) सौन्दर्य एवं प्रेम
(2) रहस्यवादी भावना

छायावाद के दो महाकाव्य —

(i) कामायनी — प्रसाद
(ii) उर्मिला — बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'

Gyansindhu Coaching Classes

प्रगतिवाद —— 1938 — 1943 ई०

दो मुख्य कवि —

(i) नागार्जुन — प्यासी पथराई आँखें

(ii) रामधारी सिंह दिनकर — उर्वशी

विशेषताएँ —

(i) शोषित वर्ग की पीड़ा का चित्रण

(ii) क्रान्ति की भावना।

प्रयोगवाद — 1943 — 1951 ई०

↳ प्रमुख कवि —

(i) अज्ञेय — हरी घास पर क्षण भर

(ii) भवानी प्रसाद मिश्र — गीत फरोश

दो विशेषताएँ —

(i) प्रतीकों का प्रयोग

(ii) अतियथार्थता

(i) तार सप्तक —— 1943 ई०

↳ सम्पादक – अज्ञेय

दो कवि — अज्ञेय | मुक्तिबोध

(ii) दूसरा सप्तक — 1951 |

(iii) तीसरा सप्तक — 1959

(iv) चौथा सप्तक — 1979

सम्पादक → अज्ञेय

नई कविता के दो कवि → गिरिजा कुमार माथुर

भवानीप्रसाद मिश्र |